>

Title: Regarding crop failure due to spread of diseases in some parts of Jammu, Punjab and Himachal Pradesh.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): सर, मैं आपकी इजाजत से एक बड़ा मुश्किल का मसला सदन में उठाना चाहता हूं। हमारे यहां इस समय किसानों की जो हालत है, खासकर मेरे साथ ही पंजाब और हिमाचल प्रदेश जिनके बारे में मैं जानकारी रखता हूं, बाकी के बारे में मैं नहीं कहना चाहूंगा, बाकी आप एनक्वायर करा लें। इस समय बीट की फसल, गंदम की फसल को एक जबरदस्त बीमारी लगी हुई है, हमारी टोटल फसल पीली पड़ती जा रही है। इसके कारण हमारे देश का और खासकर किसानों का इतना जबरदस्त नुकसान होने जा रहा है। इसलिए मेरी गुजारिश है कि इसका इमिडिएट सर्वे कराना जरूरी है। आप यह भी जानते हैं कि हमेशा जो सर्वे होते हैं, वे

कम्पैनसेशन बनाने के होते हैं और कह भी दिया जाता है, अनाउंसमैन्ट भी होता है कि सर्वे कर लो, लेकिन बाद में किसानों को कुछ नहीं मिलता है, यह मैंने आज तक देखा है।

पिछली दो तीन बार में ऐसा हुआ है कि पैडी पैदा हुई लेकिन खरीदने वाला कोई नहीं था। मैं अपने इलाके जम्मू और कठुआ की बात कह रहा हूं। सरकारी रेट 1000 रुपये क्विंटल होते हुये भी यह 700-750 रुपये के उधार पर खरीदा गया लेकिन किसानों को अभी तक पैसा भी नहीं मिला है। यही हालत पैडी के अलावा गेहूं की है जो कि बरबाद होने जा रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि सरकार को इसकी अनाऊंसमेंट नहीं बल्कि कमिटमेंट करनी चाहिये क्योंकि किसान का कोई और सोर्स नहीं है। जब कम्पनसेशन की अनाऊंसमेंट होती है तो सारी दुनिया को राशन दिया जाता है लेकिन किसान का राशन उसे दिया जाता है जिसके पास जमीन नहीं है। इसलिये सरकार इस बात में थोड़ा फर्क रखे और इसका सर्वे कराकर इंतजाम करे।

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): चौ. लाल सिंह जी द्वारा उठाये गये मसले पर मैं खुद को सम्बद्ध करता हूं।